हरिभूमि
# हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

11 पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने चलाया जागरूकता...

11 नंदकिशोर गोयनका के निधन पर गणमान्य

## खबर संक्षेप

### अवैध शराब रखने के मामले में आरोपी काबू

**हिसार।** सदर पुलिस ने अवैध शराब रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि ईआरवी राइडर नंबर 37 पर तैनात पुलिस कर्मचारियों ने टीसीपी-2 कैंट क्षेत्र में गश्त के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को संदेह के आधार पर रोका गया। जांच करने पर मोटरसाइकिल के आगे रखे प्लास्टिक के कट्टे से 13 बोतल देसी शराब मार्का माल्टा मस्ती बरामद हुई। आरोपी की पहचान माइयड़ गांव निवासी लीलू राम के रूप में हुई। पुलिस ने शराब व मोटरसाइकिल कब्जे में लेकर आरोपी लीलूराम को गिरफ्तार कर लिया।

### चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

**हिसार।** एचटीएम थाना में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में उप निरीक्षक राजेश ने कार्रवाई करते हुए आरोपी शिव नगर में रह रहे सोनीपत निवासी राकेश उर्फ राठी को गिरफ्तार किया है। मामले के अनुसार इस संबंध में मीरपुर निवासी नवीन कुमार ने शिकायत दी थी कि वह जिले के सरकारी अस्पताल में कार्यरत है। उसने अपनी मोटरसाइकिल अस्पताल परिसर में खड़ी की थी, जिसे कोई चोरी कर ले गया। शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे काबू कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

### पंचायती झोटा चोरी, तीन दिन बाद मामला दर्ज

**नारनौंद।** क्षेत्र के गांव मिर्चपुर में चोर गांव का पंचायती झोटा चोरी से ले गए। मिर्चपुर के सरपंच प्रतिनिधि अशोक ढांडा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव का पंचायती झोटा था जो गांव में ही रहता था। गत 17 जुलाई को वो गायब हो गया ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आसपास काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। ग्रामीणों को शक है की कोई चोर उसको चोरी से कहीं ले गए। इससे ग्रामीणों में रोष बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द गांव के झोटे की तलाश की जाए और जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने तीन दिन बाद मामला दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

### देश भर के छात्रों का संसद मार्च आज

हिसार। भारत की जनवादी नौजवान सभा की राज्य कमेटी ने कहा है कि कि देश के छात्र-युवाओं ने 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च करने का ऐलान कर रखा है। इसमें प्रदेश भर से भारी संख्या में छात्र दिल्ली जाएंगे।

कमेटी ने कहा कि जिस तरह प्रमुख अनशनकारी सोनम वांगचुक को पुलिस पर्दों की आड़ में छिपाकर जबरदस्ती अस्पताल ले गई, यहां सरकार और पुलिस के इरादे स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं कि वो किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक छात्र हित में हो रहे आंदोलन को अपने कायरतापूर्ण व बर्बर रवैए से छात्र आंदोलन को कुचलना चाहती है।

### जगदीश कॉलोनी में जुआ खेलते चार गिरफ्तार

**हांसी।** अपराध शाखा-2 हांसी की टीम ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 28 हजार रुपये की नकदी और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान जगदीश कॉलोनी के पास कुछ लोगों के जुआ खेलने की सूचना पर छापा मारा गया और चार आरोपियों को रंगे हाथों काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुलतान कॉलोनी निवासी दीपक, जगदीश कॉलोनी निवासी नितिन, सुभाष नगर कॉलोनी निवासी साहिल व बिहार के जिला दरभंगा निवासी रविंद्र कुमार महतो के रूप में हुई।

### बस स्टैंड पर सहकारी समिति की बसों की मनमानी बरकरार, आदेशों को ठेंगा

# नियम लागू कराने पर रोडवेज कर्मियों को धमकी, चरमरा रही यातायात व्यवस्था

राजेश्वर बैनीवाल ▶▶| हिसार

शहर के मुख्य बस स्टैंड पर सहकारी समिति की बसों की कथित मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। रोडवेज प्रशासन की ओर से बार-बार जारी किए जा रहे आदेशों के बावजूद कई बस चालक निर्धारित पश्चिमी द्वार से प्रवेश और निकास करने की बजाय मुख्य मार्ग का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे बस स्टैंड परिसर में यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि नियमों की पालना करवाने का प्रयास करने वाले रोडवेज कर्मचारियों को कुछ बस चालक कथित तौर पर 'देख लेने' जैसी धमकियां तक दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड परिसर में बसों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने और जाम की स्थिति से बचने के लिए कुछ समय पहले बस अड्डे के बूथ नंबर 5 से 14 से आने-जाने वाली सभी रोडवेज, सहकारी व अन्य निजी बसों को बस अड्डे के पश्चिमी द्वार से आवागमन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशों के तहत रोडवेज की बसें पश्चिमी द्वार से आवागमन कर रही है लेकिन सहकारी समिति की बसों के लिए ये आदेश बेमानी होकर रह गए हैं। सहकारी समिति की कई बसों के चालक इन निर्देशों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं। वे अपनी बसों को मुख्य द्वारा से ही लाना व ले जाना कर रहे हैं, जिससे अन्य रोडवेज बसों का संचालन प्रभावित होता है। कई बार तो विभिन्न रूटों की दो—तीन बसें आगे पीछे तक खड़ी हो जाती है और मुख्य द्वार से निकलने का प्रयास करती है।

**हिसार।** बस अड्डे के संबंधित बूथों पर खड़ी सहकारी बसें। फोटो : हरिभूमि

### कई बार जारी हो चुके आदेश

बूथ नंबर 5 से 14 से संचालन करने वाली बसों, जिनमें रोडवेज, सहकारी समिति व अन्य निजी बसें शामिल हैं, उन्हें पश्चिमी द्वार से चलाने के निर्देश कई बार दिए जा चुके हैं। अब फिर आदेशों को रिव्यू किया गया है। ऐसे में अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि रोडवेज प्रशासन और यातायात पुलिस संयुक्त रूप से इन आदेशों को कितने प्रभावी ढंग से लागू कर पाते हैं।

### अभद्र व्यवहार करते हुए दे रहे धमकी : एसएस

संस्थान प्रबंधक रघुबीर सिंह ने बताया कि वे बस अड्डे पर पूरी व्यवस्था बनवाने का प्रयास करते हैं लेकिन जब भी वे निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सहकारी समिति की बसों को पश्चिमी द्वार की ओर भेजने का प्रयास करते हैं, तब कुछ चालक बहस करने लगते हैं और अभद्र व्यवहार करते हुए धमकी तक देते हैं। कर्मचारियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में ड्यूटी निभाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि डिपो अधिकारियों को इससे अवगत करवा दिया गया है।

### निर्धारित रूट पर चलना होगा बसों को : टीएम

मामले की गंभीरता को देखते हुए रोडवेज अधिकारियों ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए नए सिरे से आदेश जारी किए हैं। आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि पुराने आदेशों के तहत बूथ नंबर 5 से 14 से चलने वाली सभी बसों को निर्धारित पश्चिमी द्वार का ही उपयोग करना होगा। यातायात प्रबंधक प्रीतम कुमार ने बताया कि नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, आदेश जारी करके यातायात पुलिस को भी प्रति भेजी गई है क्योंकि मुख्य द्वार से बसें निकलने के कारण यातायात भी प्रभावित होता है। इसके साथ ही आदेशों की प्रति आरटीए को भी भेजी गई है।

### ट्रेफिक पुलिस को भी भेजी प्रति

रोडवेज अधिकारियो ने आदेशों की प्रति यातायात पुलिस को भी भेजी है, ताकि पुलिस के सहयोग से इन निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराई जा सके। अधिकारियों ने नियमों की अवहेलना करने वाले व रोडवेज कर्मचारियों को धमकी देने वाले चालकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

## युवक का बाइक व मोबाइल छीनकर तीन बदमाश फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

गांव खांडा खेड़ी से धर्मखेड़ी सड़क मार्ग पर तीन बदमाशों ने एक युवक से मारपीट कर मोटरसाइकिल ओर मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने चारों तरफ नाके बंदी की लेकिन सभी युवक भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने अज्ञात बदमाशो पर मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। धर्मखेड़ी निवासी दीपक ने बताया कि वो शनिवार की रात को दवाई लेने के लिए मोटरसाइकल पर अपने घर से गांव खांडा खेड़ी में गया था। वहां पर मेडिकल स्टोर से दवाई लेकर जब वापस अपने घर के लिए चला तो गांव खांडा खेड़ी की अनाज मंडी के पास पीछे से आ रहे तीन युवकों ने उसके मोटरसाइकल के आगे मोटरसाइकल रोक कर मारपीट करने लगे। मेरा मोबाइल फोन ओर मोटरसाइकल भी छीन लिया। डर के मारे जान बचाते हुए खेतों के रास्ते भाग गया। एक राहगीर मिला तो उसके फोन से इसकी सूचना पुलिस ओर घरवालों को दी तुरंत ही मेरा भाई पहुंच गया और पुलिस भी आ गई। पुलिस ने चारों तरफ से नाकेबंदी करके उनकी तलाश की लेकिन वो गांव खांडा खेड़ी की तरफ भाग निकले। पुलिस ने दीपक के बयान पर तीन अज्ञात बदमाशो पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी है।

## पड़ोसियों के बीच हुए झगड़े के मामले में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एचटीएम थाना पुलिस ने पड़ोसियों के बीच हुए मारपीट व धमकी के मामले में नामजद महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में एक महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाली महिला तथा उसकी नाबालिग पुत्री के साथ खुले में शौच करने को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट की, ईंट से चोट पहुंचाई, गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। जांच के दौरान मुख्य सिपाही प्रीति ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। शिकायतकर्ता पक्ष ने घटना की रिकॉर्डिंग युक्त एक पेन ड्राइव भी पुलिस को उपलब्ध कराई गई।

### सद्भाव व एकता का संदेश देते हैं धार्मिक कार्यक्रम

**हिसार।** हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को मिलगेट स्थित हनुमान कॉलोनी के श्री बालाजी इच्छापूर्ण मंदिर में आयोजित भव्य जागरण एवं भंडारे में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने श्री बालाजी महाराज के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने श्रद्धालुओं के साथ भक्ति भाव से भजन-कीर्तन में सहभागिता की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद भी किया। इस अवसर पर प्रधान सुनील रावत, सतबीर गुज्जर, रामफल शर्मा, राममेहर फौजी, अजय जांगड़ा, श्री पाल शर्मा, संदीप बजाड़, सुरेश गुज्जर, भतेरी देवी, कृष्ण, महेंद्र, रामप्रसाद, कैप्टन रमेश कुमार आदि उपस्थित थे।

**हांसी।** हरियाली उत्सव के उपलक्ष्य में पौधरोपण करते पदाधिकारी

## लायंस क्लब ने पौधारोपण कर मनाया हरियाली उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

लायंस क्लब हांसी ने पौधारोपण कर हरियाली उत्सव मनाया गया। इसके तहत काली देवी रोड़ स्वर्ग आश्रम व हरियाणा कंकरीट हाजमपुर में लगभग 100 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रधान लायन संजय बंसल, सुरेश बंसल, भूषण मेहन्दीरता, गोपाल कृष्ण मुंजाल, उपस्थित रहे। लायन सुरेश बसंल ने बताया कि आगामी कार्यक्रम के तहत 21 जुलाई को को पंकज भाटिया की तरफ से निःशुल्क सफेद मोतिया बिन्द जांच एवं आप्रेशन शिविर वेन्यू आई हस्पताल दिल्ली के सहयोग से लगाया जाएगा।

### डीएचबीवीएन क्षेत्र में 18 जुलाई को 1763.70 लाख यूनिट बिजली की खपत हुई

**हिसार।** दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) क्षेत्र में जुलाई माह के दौरान बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। डीएचबीवीएन के क्षेत्र में 18 जुलाई को 1,763.70 लाख यूनिट (एलयू) बिजली की खपत के साथ माह की अब तक की सर्वाधिक दैनिक मांग दर्ज की गई। यह गत दिवस 17 जुलाई की 1732.16 लाख यूनिट की तुलना में 1.82 प्रतिशत अधिक तथा पिछले वर्ष इसी दिन 18 जुलाई 2025 की 1282.10 लाख यूनिट की तुलना में 37.56 प्रतिशत अधिक रही। दिल्ली जोन में कुल 1065.53 लाख यूनिट बिजली की खपत दर्ज की गई, जबकि हिसार जोन में 698.17 लाख यूनिट बिजली की खपत रही। सर्कलवार खपत में गुरुग्राम-द्वितीय सर्कल 307.53 लाख यूनिट के साथ सबसे अधिक बिजली खपत वाला सर्कल रहा।

## हांसी में छात्रों का प्रदर्शन: पेपर लीक के विरोध में सड़क पर उतरे युवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

देशभर में पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग पर हांसी में विभिन्न कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन के समर्थन में रैली निकालते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई।

छात्रों ने शहर के प्रमुख बाजारों से मार्च निकालते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार, भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता तथा पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान 'पेपर लीक बंद करो', 'इंकलाब जिंदाबाद' और अन्य नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके।

**हांसी।** प्रदर्शन करते छात्र। *फोटो : हरिभूमि*

**हिसार।** स्वदेशी जागरण मंच की बैठक में हिस्सा लेते पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

## प्रशिक्षण समापन समारोह के लिए स्वदेशी जागरण की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

स्वदेशी जागरण मंच व स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा आयोजित 30 दिवसीय प्रोफेशनल ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह एवं सावन-तीज उत्सव की तैयारियों को लेकर विश्वकर्मा कंप्यूटर सेंटर में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांत स्वदेशी मेला प्रमुख अनिल गोयल, स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक राकेश चराया, सह संयोजक प्रदीप बामल तथा महिला प्रमुख स्नेहलता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में तय किया गया कि समापन समारोह व सावन-तीज उत्सव 25 जुलाई को मनाया जाएगा। यह आयोजन डीएन कॉलेज रोड स्थित अग्रवाल कॉलोनी के नारायणी सेवा सदन में सायं 4 बजे शुरू होगा। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी और स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन तथा प्रमाण-पत्र वितरण समारोह मुख्य आकर्षण रहेंगे। कार्यक्रम के सह प्रमुख अभिषेक सोलंकी ने विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए बताया कि बैनर एवं मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी सोनिया, रंगोली सज्जा की जिम्मेदारी दीपाली, सेल्फी पॉइंट एवं परिसर सजावट की जिम्मेदारी प्रवीण कुमारी, स्टॉल व्यवस्था की जिम्मेदारी ऋतुराज एवं भीम गुज्जर, जल व्यवस्था की जिम्मेदारी राज वर्मा तथा टेंट एवं साउंड व्यवस्था की जिम्मेदारी कपिल सैनी एवं भूपेंद्र श्योराण को सौंपी गई है। वहीं रिफ्रेशमेंट व्यवस्था का दायित्व अतुल चोपड़ा एवं पुनीत खुराना संभाल रहे हैं।

अतिथि समन्वय की जानकारी देते हुए दिनेश चुघ एवं मोना जैन ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा से जुड़ी विशिष्ट महिला अतिथियों से संपर्क किया जा रहा है तथा उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं।

## धरने के चलते शुरू की भूख हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शहीद भगत सिंह पार्क के स्थल पर चल रहे अनिश्चितकाल धरने के दौरान अशोक कुमार नांगरू, धरने के संयोजक सन्नी इलावादी एवं अग्रेज कांगरा को भाजपा पार्षद आशीष पिंकू एवं भाजपा पार्षद शंटी भुजेजा ने फूल माला पहना कर धरना स्थल पर बैठाया। पार्षदों ने प्रशासन को चेताया कि सन्नी इलावादी के नेतृत्व में चल रहे धरने को आज 17 दिन हो गये है लेकिन शासन व प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा इन गंभीर मुद्दो के समाधान के लिए धरना स्थल पर नहीं पहुंचा, जिसके रोषस्वरूप रविवार सुबह 10 बजे से भूख हड़ताल दो दिवस के लिए शुरू कर दी है। इसका 8 भाजपा पार्षदों ने भी समर्थन किया है। इस मौके पर मोनू गुर्जर, औमप्रकाश इलावादी, तरूण अग्रवाल, राजीव शर्मा, अंग्रेजी कांगड़ा आदि उपस्थित थे।

हांसी। भूख हड़ताल व धरने पर बैठे नागरिक। *फोटो : हरिभूमि*

### महर्षि भागीरथ जयंती पर अवकाश घोषित करने की मांग

**हिसार।** ज्ञापन हरियाणा ओड सभा के नेतृत्व में ओड समाज के प्रतिनिधिमंडल ने महर्षि भागीरथ जयंती पर 6 जून को प्रदेश में राजकीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग पर हिसार के सांसद जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि महर्षि भागीरथ भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और लोककल्याण की भावना के महान प्रतीक हैं, इसलिए उनकी जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित कर उन्हें उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। इस अवसर पर हरियाणा ओड सभा के उपप्रधान राजेश कुमार मुंडाई, जनरल सेक्रेटरी राजकुमार गंगवानी, जिला प्रधान हिसार रामप्रकाश मजोका, वरिष्ठ उपप्रधान विजय पहलवान, वरिष्ठ उपप्रधान लक्ष्मणदास गलगट, डॉ. अशोक तंवर, रामदास गलगट, सुभाष मजौका, राजकुमार मजौका, विश्वनाथ खांबरा, राजकुमार कलिया, अनिल कुमार, वजीर चंद, रजत नापा, अमर सिंह आदि मौजूद रहे।

हिसार। सांसद जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपते हुए हरियाणा ओड सभा के पदाधिकारी।

### सीएम ने पीएम श्री विद्यालय की एसएमसी से किया सीधा संवाद

# विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना कर किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा के शिक्षा इतिहास में रविवार का दिन एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हुआ। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशभर की स्कूल प्रबंधन समितियों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रत्येक जिले से एक विद्यालय की एसएमसी को मुख्यमंत्री से द्विपक्षीय संवाद का अवसर प्रदान किया गया। जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय रहा कि मुख्यमंत्री से सीधे संवाद का अवसर गंगवा के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की स्कूल प्रबंधन समिति को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल, सरपंच भगवान दास, जिला शिक्षा अधिकारी राम रतन, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र शर्मा, डीपीसी विजेंद्र, खंड शिक्षा अधिकारी अनीता, विद्यालय के प्राचार्य जय भगवान वर्मा, एसएमसी प्रधान मीना सुथार, उपप्रधान रणवीर भोडीवाल, शिक्षाविद सदस्य प्रेमचंद शर्मा, शिक्षक सदस्य बलवीर काजला, सदस्य दीपिका, सावित्री देवी, सुनीता पूनिया सहित एसएमसी के सभी सदस्य, विद्यालय स्टाफ, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री से संवाद की शुरुआत विद्यालय की ओर से शिक्षाविद् एवं एसएमसी सदस्य प्रेमचंद शर्मा ने की। इसके पश्चात एसएमसी प्रधान मीना सुथार ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से उनका आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य जय भगवान वर्मा ने मुख्यमंत्री के समक्ष विद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी उल्लेखनीय उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। गंगवा के सरपंच भगवान दास गंगवा के सहयोग से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के विकास कार्य विद्यालय में करवाए गए हैं।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी, ग्रामीण व एसएमसी कमेटी के सदस्य।

### आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना

इसके अतिरिक्त विमल सरोज जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आधुनिक एवं समृद्ध पुस्तकालय की स्थापना की गई तथा कंप्यूटर लैब के लिए 15 कंप्यूटर उपलब्ध करवाए गए। जिला परिषद सदस्य सत्यपाली के सहयोग से लगभग 5.29 लाख की लागत से आरओ सिस्टम एवं वाटर कूलर स्थापित किए गए तथा विद्यालय में लगभग 200 सीलिंग फैन भी लगवाए गए।

## हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।



# हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

**आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।**

लोक संस्कृति
नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

### लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

### लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

### पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

### जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

### रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

### सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

### सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

### बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

### उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

**हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।**



---

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया

### हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम-लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगै मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

---

गीत | सत्यवीर नाहड़िया

### सुर में ताल मिलाएं ...

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

हरियाणवीं यादें | **सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया**

# किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन
रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गजब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

***मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।***

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

---

# समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का



लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी

**सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।**

फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

### सरपंचों, नशा पीड़ितों एवं उनके परिजनों को नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी

## नशे के खिलाफ जनसहयोग सबसे बड़ी ताकत

# पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने चलाया जागरूकता अभियान

नशा मुक्ति टीम ने तीन नए नशा पीड़ितों की पहचान की

- पांच नशा पीड़ितों को पहली बार नागरिक अस्पताल से आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं

हिसार। ग्रामीणों को जागरूक करते टीम के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार जागरूकता एवं उपचार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में टीम ने आदमपुर क्षेत्र के गांव खैरमपुर, गांव सदलपुर की ढाणी छिंपा तथा जंभ शक्ति चौक के समीप ढाणी में नशा विरोधी जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान नशा मुक्ति टीम ने दोनों गांवों के सरपंचों, गणमान्य नागरिकों, नशा पीड़ितों एवं उनके परिजनों से संवाद कर नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। इसलिए नशे से पीड़ित व्यक्तियों को उपचार के लिए आगे लाना तथा नशा तस्करों के संबंध में पुलिस को गोपनीय सूचना देना समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

अभियान के दौरान टीम ने नशा पीड़ितों को उपचार के लिए प्रेरित करते हुए तीन नए नशा पीड़ितों की पहचान की। साथ ही पांच नशा पीड़ितों को पहली बार नागरिक अस्पताल से आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। इसके अतिरिक्त छह नशा पीड़ितों के घर जाकर नशा मुक्ति पुलिस टीम द्वारा पहली बार आयुर्वेदिक दवाइयां पहुंचाई गईं। इसके अलावा तीन नशा पीड़ितों को दूसरी बार सरकारी अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र से उपचार एवं दवाइयां दिलवाई गईं। कुल 14 नशा पीड़ितों को घर-घर जाकर आयुर्वेदिक एवं सरकारी अस्पताल से एलोपैथिक उपचार, आवश्यक ब्लड टेस्ट तथा काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई गई, ताकि वे नशे की लत से बाहर निकलकर सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।

### मुख्य धारा में लाना उद्देश्य : एसपी

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का कहना है कि पुलिस का उद्देश्य केवल नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि नशे के शिकार युवाओं को उपचार एवं पुनर्वास के माध्यम से मुख्यधारा में वापस लाना भी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे का आदी है तो उसे उपचार के लिए प्रेरित करें तथा यदि किसी नशा तस्कर की जानकारी हो तो उसकी सूचना बिना किसी भय के पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

### मुख्यमंत्री के 'एक पुलिस, एक संकल्प - नशा मुक्त हरियाणा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाएगी पुलिस

- नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस कर रही लगातार कार्रवाई

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू किए गए 'एक पुलिस, एक संकल्प–नशा मुक्त हरियाणा' अभियान को सफल बनाने के लिए जिला पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जनसहयोग से ही हरियाणा को पूर्णतः नशा मुक्त बनाया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए संदेश के अनुरूप जिला पुलिस नशा तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के साथ-साथ युवाओं को नशे से बचाने, नशा पीड़ितों का उपचार कराने तथा समाज में व्यापक जनजागरूकता फैलाने का कार्य लगातार कर रही है। जिले में नशा मुक्ति टीम द्वारा गांव-गांव, स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। यदि किसी व्यक्ति को नशे की लत है तो उसे उपचार के लिए प्रेरित करें और यदि कहीं नशा तस्करी की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को अवगत कराएं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। एसपी ने कहा कि हिसार पुलिस मुख्यमंत्री के 'एक पुलिस, एक संकल्प–नशा मुक्त हरियाणा' अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। नशा तस्करों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के साथ-साथ नशा पीड़ितों के पुनर्वास और उपचार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

## प्रभु की पगडंडियां सही मार्ग दिखाकर अंतर्मन की यात्रा पर ले जाती हैं : स्वामी संजय

- प्रभु की पगडंडियां विषय पर ध्यान सत्र में साधकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रभु की पगडंडियां विषय पर आधारित ध्यान सत्र में साधकों को आंतरिक यात्रा, मौन, आत्मचेतना के महत्व एवं प्रभु की अनुकंपा से परिचित करवाया गया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को समझाया कि प्रभु तक पहुंचने का मार्ग बाहर नहीं बल्कि स्वयं के भीतर से होकर गुजरता है। जब मन शांत हो और विचारों का शोर समाप्त होने लगे तभी परमात्मा की अनुभूति हो सकती है।

ध्यान सत्र के दौरान साधकों को ध्यान विधियों से रूबरू करवाते हुए उनका अभ्यास भी करवाया गया। स्वामी संजय व मां सांची ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनावपूर्ण जीवनशैली में ध्यान मानसिक शांति का साधन तो है ही, इसके साथ-साथ जीवन को संतुलित, आनंदमय व खुशहाल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि प्रभु की पगडंडियां साधकों को सही मार्ग दिखाती हैं और अपने अंतर्मन की यात्रा पर ले जाती हैं। इस यात्रा में आनंद, प्रेम व करुणा का अनंत स्रोत विद्यमान रहता है।

इस दौरान स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों के साथ सतगुरु ओशो के प्रवचन भी साझा किए। ओशो के अनुसार बहुत थोड़े श्रम से हम कितनी आंतरिक संपदा पा सकते हैं, इसका हमें कुछ भी पता नहीं है। पता हो भी कैसे, जब हम पा लें तभी पता चल सकता है, दूसरा कोई रास्ता भी नहीं है लेकिन हजारों वर्षों से आदमी एक आश्चर्यजनक चक्कर में उलझ गया है। वह चक्कर सुनने, समझने और विचार करने का चक्कर है। कई बार ऐसा होता है कि बहुत सोचने-विचारते रहने वाले लोग कुछ भी नहीं कर पाते हैं।

## एकादशी पर खाटू श्याम व सालासर बस यात्रा 25 जुलाई को

आदमपुर। हिसार, आदमपुर, भट्टू व आसपास के भक्तों के लिए एकादशी पर शनिवार 25 जुलाई को 99वीं खाटू श्याम सालासर बालाजी बस यात्रा का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अमित गोयल व मुकेश गोयल ने बताया कि यात्रा में श्रद्धालु खाटू श्याम, सालासर बालाजी व कालिका माता मंदिर के दर्शन करेंगे। इसके अलावा अगस्त माह में उज्जैन-सीहोर पारिवारिक बस यात्रा रवाना होगी। जाने के लिए आदमपुर में श्री श्याम लाइब्रेरी या कमेटी सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं।

## ब्रह्मनाद ध्यान हमारे भीतर जगाती है सकारात्मक ऊर्जा

- नियमित ध्यान से हम धीरे-धीरे अपने असली स्वरूप को पहचानने लगते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। ध्यान साधना केंद्र में साधना करने पहुंचे साधक। फोटो : हरिभूमि

रविवार की सुबह जब शहर अभी नींद से जाग ही रहा था, एमजी क्लब, मिर्जापुर चौक में एक अलग ही दुनिया आबाद थी। समर्थगुरु धारा संघ के साधना केंद्र में दर्जनों साधक एक साथ बैठे थे-आंखें मूंदे, सांसें थामे, भीतर की यात्रा पर।

यह था साप्ताहिक संडे ध्यान कार्यक्रम, जिसमें इस बार आचार्या मां साक्षी के सानिध्य में ब्रह्मनाद ध्यान का विशेष आयोजन हुआ। ब्रह्मनाद ध्यान कोई साधारण ध्यान विधि नहीं है। यह साधक को उस दिव्य ध्वनि से जोड़ता है जो हमारे भीतर ही गूंजती रहती है-बस हम उसे सुनना भूल जाते हैं। इस सत्र में साधकों ने मन की परतों को एक-एक कर हटाते हुए उस आंतरिक शांति का स्पर्श किया, जिसकी तलाश में इंसान जीवन भर भटकता रहता है। ध्यान के बाद जब साधकों ने आंखें खोलीं, तो चेहरों पर एक अलग ही सुकून था।

किसी ने कहा -मानो कई दिनों की थकान एक झटके में उतर गई। किसी ने बताया कि पहली बार मन सच में शांत हुआ। कुछ ने इसे अपने जीवन का एक यादगार अनुभव बताया। सत्र के दौरान आचार्या मां साक्षी ने साधकों से बड़े ही आत्मीय अंदाज में बात की। उन्होंने कहा - ब्रह्मनाद ध्यान उस अनंत ऊर्जा से जुड़ने का द्वार है जो हम सबके भीतर मौजूद है। जब हम नियमित ध्यान करते हैं, तो भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा जागती है और हम धीरे-धीरे अपने असली स्वरूप को पहचानने लगते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ध्यान की अलग-अलग विधियां हैं, लेकिन किसी प्रशिक्षित आध्यात्मिक गुरु के मार्गदर्शन में की गई साधना कहीं अधिक गहरी और फलदायी होती है।

### आरोपियों से पूछताछ जारी

## एटीएम काटकर नकदी चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

एटीएम काटकर नकदी चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को सीआईए टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नूंह जिले के बड़का अलामुदीन निवासी तामील उर्फ भोला व भूतलका निवासी अफरोज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में उमरा गांव निवासी संजय कुमार की शिकायत पर एचटीएम थाना में एटीएम काटकर नकदी चोरी करने के संबंध में केस दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला सीआईए को सौंपा गया। सीआईए टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचनाओं के आधार पर गहन जांच की गई। जांच के चलते दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है तथा गिरफ्तार आरोपियों से अब तक 13 हजार रुपयेकी चोरीशुदा नकदी बरामद की गई। है। सीआईए के सहायक उप निरीक्षक प्रहलाद के नेतृत्व में टीम ने इसी मुकदमे में दो अन्य आरोपियों तामील उर्फ भोला व अफरोज को गिरफ्तार किया है। दोनों अदालत में पेश किया गया,

जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ करते हुए यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने अब तक कितनी एटीएम चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है तथा इस गिरोह में और कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं।

## जमानत का दुरुपयोग करने वाले आरोपियों पर होगी सख्त कार्रवाई

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा है कि पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार जिले में घोषित अपराधियों (पीओ), पैरोल से फरार (पीपी) व जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई को और अधिक तेज किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जब किसी आरोपी को अदालत से जमानत मिलती है, तो जमानतदार द्वारा न्यायालय के समक्ष फर्द, वाहन संबंधी दस्तावेज अथवा अन्य संपत्ति के दस्तावेज प्रतिभूति के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं। इन दस्तावेजों के आधार पर यह शर्त होती है कि यदि आरोपी अदालत के आदेशों की अवहेलना करता है, फरार हो जाता है अथवा निर्धारित तिथि पर न्यायालय में उपस्थित नहीं होता, तो कानून के अनुसार उक्त प्रतिभूति को जब्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब ऐसे मामलों में अदालत के समक्ष जमानत बॉन्ड एवं प्रतिभूति जब्त कराने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हो सके तथा जमानतदार भी अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करें। एसपी ने जिले के सभी थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों, पर्यवेक्षण अधिकारियों एवं संबंधित जांच अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा करें तथा जिन मामलों में आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं या फरार हैं, उनमें नियमानुसार जमानत बॉन्ड एवं प्रतिभूति जब्त कराने के लिए न्यायालय में समयबद्ध आवेदन प्रस्तुत किए जाएं।

## सीवर सफाई के दौरान युवक की मौत पर एआईयूटीयूसी का रोष, 50 लाख मुआवजे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

हिसार। केंद्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी ने जहाज पुल चौक पर सीवर सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से एक युवक की की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए हादसे के लिए जिम्मेदार ठेकेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने मृतक के परिजनों को कम से कम 50 लाख रुपये का मुआवजा देने की भी मांग उठाई है। एआईयूटीयूसी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने कहा कि सरकार और प्रशासन की लापरवाही के कारण मजदूर लगातार जानलेवा हादसों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले ही गंगवा गांव में सीवर की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से मोनू नामक सफाई कर्मचारी की मौत हुई थी। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया।

## डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म से संगठन को मिलेगी नई गति : जवाहर सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में रविवार को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म (डीएलपी) प्रशिक्षण अभियान को लेकर बैठक हुई। जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला प्रभारी जवाहर सैनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का मार्गदर्शन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्राप्त हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी जवाहर सैनी ने कहा कि डिजिटल सशक्तिकरण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता तकनीक का बेहतर उपयोग कर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। इस अवसर पर रामफल नैन, मुनीष ऐलावादी, सतीश सुरलिया, पूनम मेहता, चेयरमैन रविन्द्र रॉकी, कृष्ण खटाना, संदीप गोयल, कुलदीप, सुरेन्द्र सैनी, सुरेश, अमर, राजकुमार, अजय, नरेश नैन, रामचन्द्र गुप्ता, सुमन कसवा व धर्मवीर पानू सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## सड़क पर अतिक्रमण व जाम किसी भी कीमत पर नहीं होगा बर्दाश्त

हिसार। जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा सड़क पर अतिक्रमण और जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि अभियान के दौरान ट्रिपल राइडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना (ड्रंकन ड्राइविंग), बुलेट मोटरसाइकिल में अवैध रूप से पटाखा जैसी आवाज निकालने के लिए किए गए मॉडिफिकेशन, वाहनों पर ब्लैक फिल्म, बिना नंबर प्लेट के वाहन, गलत तरीके से पार्क किए गए वाहनों तथा लापरवाही एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही बाजारों, मुख्य सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर सड़क किनारे सामान रखकर यातायात बाधित करने वाले दुकानदारों एवं अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ताकि आम नागरिकों को जाम की समस्या का सामना न करना पड़े और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों एवं यातायात पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करें।

## वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत पहली अर्जुन वाटिका का शुभारंभ

बरवाला। ग्राम पंचायत लाडवा में वीबी-जी-राम-जी योजना के अंतर्गत पहली अर्जुन वाटिका का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वीबीजी रामजी योजना में पंजीकृत श्रमिकों द्वारा 500 पौधों का रोपण किया गया। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, हरित ग्राम निर्माण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामचंद्र गंगवा रहे। उन्होंने पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपस्थित ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर डीआरडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुभाष चन्द्र ने सभी उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। ग्राम पंचायत लाडवा के सरपंच रामफल पूनिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए ग्राम पंचायत द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी सांझा की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, वीबी-जी-राम-जी योजना से जुड़े श्रमिकों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की।

## समता, सामाजिक न्याय व मानवता का संदेश देते हैं संत रविदास जी के उपदेश

हिसार। सामाजिक समरसता गतिविधि, जिला हिसार की ओर से संत शिरोमणि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज के 650वें प्रकटोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में उनके जीवन, सामाजिक समरसता एवं शिक्षाओं पर आधारित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत संत विजेन्द्र दास जी ने अपने संबोधन में कहा कि संत गुरु रविदास जी का जीवन समता, मानवता, सामाजिक न्याय और भाईचारे का अनुपम संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में संत रविदास जी की शिक्षाएं समाज में सौहार्द और समरसता स्थापित करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी गोपी राम ने समाज में समानता, आपसी सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने युवाओं से संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता एवं सामाजिक समरसता के अखिल भारतीय सह संयोजक रविन्द्र किरकोले ने संत रविदास जी के विचारों की वर्तमान समय में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर समरस समाज का निर्माण ही उनके जीवन का मूल संदेश है। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को समाज की प्रगति का आधार बताया। इस अवसर पर संत दिव्याननंद, प्रांत कार्यवाह प्रताप, प्रांत सामाजिक समरसता संयोजक हरियाणा ज्ञान, विभाग संघचालक पवन, जिला कार्यवाह सतीश, डॉ. सुखवीर व मोहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### श्रद्धांजलि

### अग्रोहा धाम के निर्माण व विकास में गोयनका जी का योगदान अतुलनीय रहा

# नंदकिशोर गोयनका के निधन पर गणमान्य व्यक्तियों राजनेताओं और समाजसेवी संस्थाओं ने जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रख्यात समाजसेवी स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका को श्रद्धांजलि देने के लिए शहर के गोयनका सदन में दिनभर राजनीतिक, सामाजिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी हस्तियों का आना जारी रहा। सफीदों से भाजपा विधायक पंडित राम कुमार गौतम, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, अग्रवाल समाज से जुड़े प्रतिनिधियों, स्थानीय भाजपा नेताओं तथा विभिन्न दलों के पदाधिकारियों ने दिवंगत नंदकिशोर गोयनका के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राम कुमार गौतम ने कहा कि अग्रोहा धाम के निर्माण, विकास और उसे भव्य स्वरूप देने में नंदकिशोर गोयनका का योगदान अतुलनीय रहा। समाज इस ऐतिहासिक योगदान को सदैव आदर और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। उनका निधन केवल गोयनका परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स ने नंदकिशोर गोयनका के साथ अपने लंबे और आत्मीय संबंधों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका गोयनका परिवार के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। नंदकिशोर गोयनका महान समाजसेवी थे और आज अग्रोहा जिस मुकाम पर है, उसके विकास में गोयनका परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका जीवन समाज के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर अग्रवाल समाज भूना की प्रदेश अध्यक्ष पूनम गोयल और संस्था के सदस्य महेंद्र ने नंदकिशोर गोयनका को बड़ा और प्रेरणादायी व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि अग्रोहा में विश्वविद्यालय स्थापित करने का गोयनका परिवार का निर्णय समाज और शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है, जो उनकी दूरदृष्टि और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्थानीय भाजपा नेता रामनिवास राड़ा ने भी गोयनका सदन पहुंचकर स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

हिसार। गोयनका सदन में शोक जताने पहुंचे गणमान्य व्यक्ति। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका को श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व विधायक राव दान सिंह, जजपा जिला अध्यक्ष तरुण गोयल, भाजपा नेता मुकेश सेठी, पार्षद श्रीनिवास गोयल तथा पार्षद दर्शन गिरी भी शामिल रहे। सभी ने पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

## खबर संक्षेप

### दशहरा महोत्सव की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार

**हिसार।** श्रीनृसिंह प्रह्लाद रामलीला दशहरा सभा, मुलतानी चौक की जनरल बॉडी की बैठक प्रधान सुरेश कक्कड़ की अध्यक्षता में भारती धर्मशाला में हुई। बैठक में 20 अक्तूबर को दशहरा महोत्सव नई सब्जी मंडी में धूमधाम से मनाने का फैसला लिया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष भीमसैन नारंग ने गत वर्ष का लेखा-जोखा पढ़कर सुनाया जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। सभा के महासचिव ओमप्रकाश असीजा ने बताया कि रामलीला सभा के नये सदस्य बनाने का फैसला लिया गया।

### श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

**हिसार।** शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था अ'हमारा प्यार हिसार' ने रविवार सुबह सुशीला भवन के नजदीक राजकीय कन्या विद्यालय की बाहरी दीवार पर विशेष सफाई एवं पोस्टर हटाओ अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए दीवार पर लगे पुराने पोस्टर, बैनर, टेप और अन्य अवांछित सामग्री हटाकर पूरे क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया।

### हकृवि में दाखिले के लिए दूसरे चरण की हुई परीक्षा

**हिसार।** हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स, बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स, एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी कम्युनिटी साइंस, एमएफएससी व एमटेक में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

### 36 बोतल अवैध देसी शराब युवक पकड़ा

**नारनौंद।** अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए नारनौंद टीम ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 36 बोतल अवैध देसी शराब सहित गिरफ्तार कर वारदात में प्रयोग की गई कार भी बरामद की है। मुख्य सिपाही विजय कुमार ने बताया कि सीआईए नारनौंद की टीम ने गश्त के दौरान बास टोल प्लाजा के पास काले रंग की कार में अवैध देसी शराब लेकर गांव खांडा खेड़ी की ओर आने वाले एक युवक को पकड़ा। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी में रखी तीन पेटियों से 36 बोतल अवैध देसी शराब बरामद हुई।

### क्षेत्रवासियों ने दी 26 जुलाई से बड़े आंदोलन की चेतावनी

# समस्याओं के समाधान की मांग पर सेक्टर-33 वासियों ने दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सेक्टर-33 की विभिन्न समस्याओं के समाधान में हो रही देरी से नाराज सेक्टरवासियों ने रविवार को सांकेतिक धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से जल्द मांगों पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 26 जुलाई को होने वाली बैठक में बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। धरने की अध्यक्षता मास्टर बलदेव बगला ने की, जबकि संचालन बलवान शर्मा ने किया।सेक्टर-14 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने भी धरने को समर्थन देते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान राजपाल नैन और अन्य वक्ताओं ने बताया कि सेक्टर की समस्याओं को लेकर 22 जून को एचएसवीपी प्रशासक को 15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया था। करीब एक माह बीत जाने के बावजूद किसी भी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि सेक्टरवासी आरक्षित स्थान पर नए बिजलीघर और वाटर वर्क्स का निर्माण, सीवरेज एवं बरसाती पाइपलाइन के मेनहोलों पर ढक्कन लगाने, आवारा पशुओं और कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान, कम प्रेशर की समस्या दूर कर पेयजल आपूर्ति में सुधार, सड़कों एवं खाली प्लॉटों में उगी खरपतवार की सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने, मोबाइल नेटवर्क सुधार के लिए नया टावर स्थापित कराने तथा अधूरे पार्कों का विकास कराने सहित 15 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं। इस अवसर पर सुशीला देवी, किशना देवी, कुसुम नैन, सावित्री देवी, शकुंतला गोदारा, माया देवी आदि रहे।

हिसार। समस्याओं के समाधान की मांग पर सांकेतिक धरना देते सेक्टरवासी।

**कार्रवाई न होने पर 26 को बनाएंगे रणनीति**

वक्ताओं ने कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र मांगों पर कार्रवाई नहीं की तो 26 जुलाई को सेक्टरवासियों की बैठक बुलाकर आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। धरने में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। महिला शक्ति सहित बड़ी संख्या में सेक्टरवासियों ने रेजिडेंट सभा को आश्वासन दिया कि सेक्टर की समस्याओं के समाधान के लिए होने वाले आगामी आंदोलन में भी वे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

हांसी। पेयजल तंगी से गुस्साए क्षेत्रवासी। फोटो: हरिभूमि

## हुडा सेक्टर-5 में जल संकट पर फूटा लोगों का गुस्सा

- समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन का ऐलान

**हांसी।** शहर के हुडा सेक्टर-5 में लंबे समय से बने पेयजल संकट के चलते स्थानीय निवासियों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। सेक्टरवासियों ने सरकार, संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए स्थायी पेयजल व्यवस्था की मांग उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लेकर प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सेक्टर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है और वर्षों से लोग पेयजल संकट झेल रहे हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा सेक्टरों के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) स्थापित करने की घोषणा के बावजूद अब तक परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्लांट के लिए प्रस्तावित भूमि को अन्य सरकारी परियोजना के लिए आवंटित कर दिए जाने से जलापूर्ति योजना अधर में लटक गई है। निवासियों का कहना है कि वर्तमान में वे खारे और अनुपयुक्त पानी पर निर्भर रहने को मजबूर हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

हिसार। प्रवचन करते मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

# गुरु की शरण और प्रभु भक्ति से ही मिलता जीवन का सच्चा आनंद

- मंदिर के मुख्य सेवक ने कहा : निंदा-चुगली छोड़ सत्संग अपनाएं, बच्चों को दें धार्मिक संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मिल गेट के तरसेम नगर स्थित श्री सिद्ध बाबा बालक नाथ जी एवं दुर्गा माता मंदिर में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ भव्य चौकी एवं सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर बाबा बालक नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार और सेवा का संदेश दिया। रामचरण गुप्ता ने कहा कि मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा धन भगवान की भक्ति है। व्यक्ति को निंदा, चुगली, ईर्ष्या और द्वेष जैसी बुराइयों से दूर रहकर सत्संग की संगति धारण करनी चाहिए तथा प्रतिदिन भगवान के नाम का सिमरन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान के नाम के सिमरन से मन को शांति मिलती है और जीवन के बड़े से बड़े कष्ट भी प्रभु कृपा से दूर हो जाते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को सिद्ध बाबा बालक नाथ जी की पावन जीवनी का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि बाबा जी का जीवन त्याग, तपस्या, सेवा और मानव कल्याण का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्शों को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकता है। उन्होंने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा है। जब तक मनुष्य गुरु की शरण में नहीं जाता, तब तक उसका वास्तविक कल्याण संभव नहीं है। गुरु ही अज्ञान के अंधकार को दूर कर सत्य, धर्म और सदाचार का मार्ग दिखाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धापूर्वक बाबा बालक नाथ जी एवं मां दुर्गा की महाआरती की गई।

**बच्चों को दें अच्छे संस्कार**

मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को बचपन से ही अच्छे संस्कार देने चाहिए। यदि बच्चों को प्रारंभ से ही सत्संग की संगति मिलेगी तो उनके गलत मार्ग पर जाने की संभावना बहुत कम हो जाएगी और उनमें सेवा, अनुशासन, विनम्रता तथा धर्म के प्रति आस्था विकसित होगी। उन्होंने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा और सम्मान को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलकर ही मनुष्य का जीवन सफल बनता है।

# वांगचुक की हिरासत पर प्रदर्शन तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को उनके आंदोलन के 21वें दिन आज जबरन हिरासत में लिए जाने के विरोध में बरवाला में रविवार शाम को छात्र-युवा, बुद्धिजीवी, संगठनों ने प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सोनम वांगचुक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और नीट पेपर लीक सहित शिक्षा प्रणाली की पूर्ण विफलता को लेकर जवाबदेही की मांग कर रहे थे। हिरासत में लेना लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। इस प्रदर्शन में इन वक्ताओं ने जंतर-मंतर आंदोलन के प्रति एकजुटता जताते हुए मांग की कि सरकार अविलंब सोनम वांगचुक को रिहा करे और शिक्षा में व्याप्त भ्रष्टाचार व पेपर लीक पर कड़ी कार्रवाई करे।

बरवाला। सोनम वांगचुक को जबरन हिरासत में लिए जाने के विरोध में प्रदर्शन करते विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि। फोटो: हरिभूमि

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर राज सिंह बौद्ध, रोहतास राजली, राजेश सरसौद, अध्यक्ष बीरबल बरवाला, प्रतीक, अंकित मेहरा, रामदेव रंगा, जयवीर मुवाल, डा. सुरेंद्र सिल्ले, सीताराम ग्वावर, कुलदीप हरियाणवी, विरेंद्र, अजय व रवि सहित काफी संख्या में छात्र व युवा मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री ने स्कूल प्रबंधन समितियों से किया सीधा संवाद

**नारनौंद।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के साथ वर्चुअल माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने, अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने तथा सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। नारनौंद के सरकारी स्कूल में छात्रों के अभिवावक, पार्षद ओर स्कूल के अध्यापक वर्चुअल मीटिंग में शामिल रहे। डॉ. अजय ने बताया कि मुख्यमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम में नारनौंद के मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक एवं स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्य भी शामिल हुए।

# पंचनद धाम निर्माण में तेजी

- हांसी में राज्यस्तरीय बैठक, 14 अगस्त को पूरे हरियाणा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम और सरकार से निर्माण कार्य तेज करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

वर्ष 1947 के भारत-विभाजन के दौरान शहीद हुए लाखों पंजाबी पूर्वजों की स्मृति में कुरुक्षेत्र में प्रस्तावित पंचनद धाम स्मारक के निर्माण में हो रही देरी को लेकर रविवार को बजरंग आश्रम, हांसी में पंजाबी समाज की राज्यस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी श्री सुदर्शन मिनोचा ने की। हरियाणा के विभिन्न जिलों के सामाजिक प्रतिनिधियों, ट्रस्टियों एवं गणमान्य नागरिकों ने स्मारक निर्माण में तेजी लाने तथा समाज को एकजुट करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए पंचनद स्मारक ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं पूर्व हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता श्री ईश सरना (टोहाना) ने कहा कि वर्ष 2008 से हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों के पंजाबी समाज ने इस परियोजना के लिए तन, मन और धन से सहयोग दिया है। हजारों लोगों ने ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण की, ट्रस्टी बने और आर्थिक सहयोग देकर इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा लगभग 25 एकड़ भूमि पर पंचनद धाम का शिलान्यास किया गया था। उस अवसर पर हजारों श्रद्धालु अपने घरों से पूजित ईंट लेकर पहुंचे थे, लेकिन वर्षों बाद भी निर्माण कार्य अधूरा रहने से समाज में निराशा और चिंता है।

नागरिकों ने स्मारक निर्माण में तेजी लाने तथा समाज को एकजुट करने का आह्वान किया। बैठक को संबोधित करते हुए पंचनद स्मारक ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं पूर्व हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता श्री ईश सरना (टोहाना) ने कहा कि वर्ष 2008 से हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों के पंजाबी समाज ने इस परियोजना के लिए तन, मन और धन से सहयोग दिया है। हजारों लोगों ने ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण की, ट्रस्टी बने और आर्थिक सहयोग देकर इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा लगभग 25 एकड़ भूमि पर पंचनद धाम का शिलान्यास किया गया था। उस अवसर पर हजारों श्रद्धालु अपने घरों से पूजित ईंट लेकर पहुंचे थे, लेकिन वर्षों बाद भी निर्माण कार्य अधूरा रहने से समाज में निराशा और चिंता है।

हांसी। शहीद मंगल पांडेय की जयंती मनाते आप पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

## मंगल पांडेय बहादुर भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे : राजेन्द्र

**हांसी।** शहीद भगत सिंह संगठन समिति के बैनर तले बजरंग आश्रम, हांसी में क्रांतिकारी शहीद मंगल पांडेय की 199वीं जयंती मनाई गई। समिति के प्रधान सरदार कृष्ण सिंह इलावादी ने बताया कि आप पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लेकर शहीद मंगल पांडेय के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजेन्द्र सोरखी ने बताया कि मंगल पांडेय का जन्म भारत में उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा नामक गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम दिवाकर पांडेय था। मंगल पांडेय एक बहादुर भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1857 में भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वो ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल इंफेन्ट्री के सिपाही थे।

# बिजली संकट की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें : विक्रम सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

डीएचबीवीएन एवं यूएचबीवीएन के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने हाल के दिनों में बिजली संकट को लेकर विभिन्न स्थानों पर हुए जन विरोध तथा इन घटनाओं के सुर्खियों में आने के मामलों को गंभीरता से लिया है। निगम प्रबंधन ने संबंधित ऑपरेशन विंग अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई एवं प्रभावी रिपोर्टिंग न किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया है।

निगम प्रबंधन ने निर्देश दिए हैं कि अब प्रत्येक सर्कल के अधीक्षण अभियंता (ऑपरेशन) अपने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति पर स्वयं नोडल अधिकारी के रूप में निरंतर निगरानी रखें। यदि कहीं भी बिजली संकट या जन असंतोष की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित करते हुए उच्च अधिकारियों को समय पर अवगत कराया जाए। प्रबंधन ने सभी ऑपरेशन विंग अधिकारियों को सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए कहा है। सभी अधिकारी जिला जनसंपर्क एवं सूचना अधिकारी (डीआईपीआरओ), प्रमुख समाचार-पत्रों के ब्यूरो प्रमुखों एवं मुख्य संवाददाताओं के साथ सौहार्दपूर्ण एवं नियमित समन्वय बनाए रखें। यदि मीडिया प्रतिनिधियों को कहीं बिजली संकट की जानकारी मिलती है तो समाचार प्रकाशित करने से पहले संबंधित ऑपरेशन अधिकारी को सूचित करने का अनुरोध किया जाए, ताकि समस्या का तत्काल समाधान किया जा सके। यदि किसी कारणवश बिजली आपूर्ति बहाल करने में समय लगने की संभावना हो, तो मीडिया को निगम का तथ्यात्मक पक्ष भी उपलब्ध कराया जाए, जिससे समाचार में वास्तविक स्थिति भी प्रकाशित हो सके। उपभोक्ताओं एवं आमजन की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना जाए तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

## हांसी से मां बनभौरी धाम के लिए श्रद्धालुओं की बस रवाना

**हांसी।** धार्मिक आस्था और श्रद्धा के माहौल में हांसी से मनीष जैन खेड़ी वाले के नेतृत्व में श्रद्धालुओं से भरी बस मां बनभौरी धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मां बनभौरी धाम पहुंचने पर सभी श्रद्धालुओं को माता रानी के दिव्य दर्शन एवं पावन आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इस दौरान मां बनभौरी धाम के पुजारी श्री सुशील जी कौशिक के सानिध्य में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने माता रानी से प्रदेश एवं देश में सुख, शांति, समृद्धि और सभी के मंगल की प्रार्थना की। इस अवसर पर मनीष जैन खेड़ी वाले ने कहा कि मां बनभौरी का आशीर्वाद सभी श्रद्धालुओं पर सदैव बना रहे। उन्होंने सभी भक्तों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी धार्मिक यात्राएं समाज में आस्था, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं।

### मोर्निंग वाक कमेटी ने डीएचबीवीएन के डायरेक्टर डॉ. योगेश बिदानी का किया भव्य स्वागत

**हिसार।** टाऊन पार्क मोर्निंग वाक कमेटी की ओर से रविवार को दिल्ली बाईपास स्थित श्री योग भगवान कपिला गौशाला में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के डायरेक्टर डॉ. योगेश बिदानी का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कमेटी के सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में कमेटी सदस्य, गोभक्त और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. योगेश बिदानी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कैबिनेट मंत्री अनिल विज के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने जो सम्मान और विश्वास उन पर जताया है, उसे वे सदैव बनाए रखने का प्रयास करेंगे तथा अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

### संसद घेराव में हिसार की महिलाएं निभाएंगी अहम भूमिका : संतोष

**हिसार।** आगामी 21 जुलाई को नई दिल्ली में होने वाले अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के संसद घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला महिला कांग्रेस की पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष जून लगातार जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चला रही हैं। इस अभियान के तहत महिलाओं को राजनीतिक अधिकारों, संसद एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की आवश्यकता तथा संसद घेराव के उद्देश्य से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

### नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी सहित अन्य का किया गया स्वागत

# सावित्रीबाई फुले सोसायटी ने समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सावित्रीबाई फुले सोशल वेलफेयर सोसायटी की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी, मार्किट कमेटी बरवाला के चेयरमैन प्रवीण सैनी व भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के सहायक प्रबंधक डॉ. मयंक सैनी को सम्मान स्वरूप पगड़ी, शॉल, स्मृति चिन्ह व माता सावित्री बाई फुले जी का साहित्य भेंट किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन रवि सैनी ने कहा कि सोसायटी ने उन्हें जो सम्मान दिया गया है, उसके सदैव ऋणी रहूंगे व सम्मान को कभी ठेस नहीं पहुंचने देंगे।

उन्होंने आह्वान किया कि इस वर्षा ऋतु में सभी एक एक पौधा अवश्य लगाएं व अन्य लोगों को भी पौधे लगाने के लिये प्रेरित करें, जिससे हमारा वातावरण शुद्ध हो तथा पर्यावरण की रक्षा हो सके। चेयरमैन प्रवीण सैनी ने कहा कि सोसायटी ने जो सम्मान दिया है, यह उनके लिए ऐसा पल है जिसको शब्दों में बयां नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आप द्वारा दिए गए अपार स्नेह, प्यार से जो सम्मान दिया है उससे मुझे ऊर्जा मिली है और मैं दुगुनी ऊर्जा के साथ समाज हित में समाज की सेवा निरंतर करता रहूंगा।

हिसार। चेयरमैन रवि सैनी व अन्य के सम्मान समारोह में उपस्थित सोसायटी के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

**कार्यक्रम में ये रहे मौजूद**

मंच संचालन सोसायटी के संरक्षक मंडल के सदस्य डॉ. विवेक सैनी ने किया और आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सोसायटी के संरक्षक डॉ. दलबीर सिंह सैनी ने भी अपने विचार रखे। सोसायटी के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश सैनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. रामकुमार सैनी ने सावन से संबंधित एक गीत गा कर माहौल को संगीतमय बना दिया। समारोह में डॉ. ज्ञान सैनी, डॉ. अनिल सैनी, डॉ. मुकेश सैनी, चीफ इंजीनियर अभयराम सैनी, देवेन्द्र चौधरी, हरिसिंह सैनी, पार्षद रवि जमालपुरिया, अंग्रेज सैनी, मुकेश सैनी मोनू, सुंदर सैनी, ईश्वर नाटा, सीताराम सैनी, राजेन्द्र खेड़ा वाले, शमशेर सैनी, सुभाष सैनी आदि रहे।